

भारत सरकार  
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3184

दिनांक 18 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

राष्ट्रीय ग्रिड को बिजली आपूर्ति

†3184. श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में वर्तमान में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी है तथा जीवाश्म ईंधन और गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों का संबंधित हिस्सा दर्शाने वाले वर्तमान उपलब्ध आंकड़े क्या हैं;

(ख) इस स्थापित क्षमता का वह हिस्सा जो वर्तमान में उत्पादन के लिए तैयार है और राष्ट्रीय ग्रिड को विद्युत की आपूर्ति करने में सक्षम है तथा ग्रिड-तैयारी निर्धारित करने के लिए उपयोग में लाये जाने वाले मानदंड क्या हैं;

(ग) क्या पारेषण अवसंरचना की अनुपलब्धता अथवा अपर्याप्तता के कारण संस्थापित उत्पादन क्षमता की मात्रा का अप्रयुक्त अथवा कम उपयोग किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा देश के सभी क्षेत्रों में समय पर निकासी, ग्रिड एकीकरण और विद्युत के इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक पारेषण अवसंरचना को पूरा करने हेतु प्रस्तावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) एवं (ख) : देश में कुल संस्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 5,05,023 मेगावाट है जिसमें जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 2,45,600 मेगावाट और गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 2,59,423 मेगावाट शामिल है। ग्रिड से जुड़ी हुई और उत्पादन के लिए तैयार संस्थापित क्षमता को प्रयोज्य तकनीकी मानकों के अनुसरण में कमीशन किया गया है। यह मौजूदा प्रणाली स्थितियों के अध्यक्षीन राष्ट्रीय ग्रिड में विद्युत इंजेक्ट करने में सक्षम है। अप्रैल, 2025 से अक्टूबर, 2025 की अवधि के दौरान विभिन्न स्रोतों से उत्पादित विद्युत का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है।

श्रेणी	संस्थापित क्षमता (मेगावाट में)	कुल संस्थापित क्षमता में % हिस्सा	उत्पादित विद्युत (अप्रैल, 2025 से अक्टूबर, 2025) (एमयू में)	कुल उत्पादन में % हिस्सा
जीवाश्म ईंधन	2,45,600	48.6%	7,52,583	68.2%
गैर-जीवाश्म ईंधन	2,59,423	51.4%	3,51,405	31.8%
कुल	5,05,023	100%	11,03,988	100%

(ग) : राष्ट्रीय पारेषण ग्रिड बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) सहित उत्पादन क्षमता को एकीकृत करने में मददगार है। अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली(आईएसटीएस) के लिए प्रभावी सामान्य नेटवर्क पहुंच (जीएनए) के साथ उत्पादन क्षमता में कोई कटौती नहीं की गई है। हालांकि, वर्तमान में, विभिन्न समय ब्लॉकों में तकनीकी और प्रचालनात्मक बाधाओं के अध्यधीन मौजूदा आईएसटीएस पर उपलब्ध मार्जिन के माध्यम से 12,407 मेगावाट विद्युत की निकासी के लिए अस्थायी जीएनए प्रदान किया गया है। इसमें से 5,370 मेगावाट गुजरात में, 4,088 मेगावाट राजस्थान में, और 2,949 मेगावाट कर्नाटक/तमिलनाडु में अवस्थित है।

(घ) : उत्पादन परियोजनाओं से संबंधित पारेषण प्रणालियों को अग्रिम रूप से नियोजित किया जाता है और अनुमानित क्षमता वृद्धि के साथ संरेखित इन प्रणालियों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाता है। राष्ट्रीय ग्रिड को समय पर विद्युत निकासी, ग्रिड एकीकरण और सभी क्षेत्रों में विद्युत का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए निरंतर आधार पर मजबूत किया जा रहा है। वर्तमान में, 234 अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली परियोजनाएं, जो लगभग 203 गीगावाट उत्पादन क्षमता की निकासी करने में सक्षम हैं, कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं और वर्ष 2031 तक उत्तरोत्तर शुरू करने की योजना है।

\*\*\*\*\*